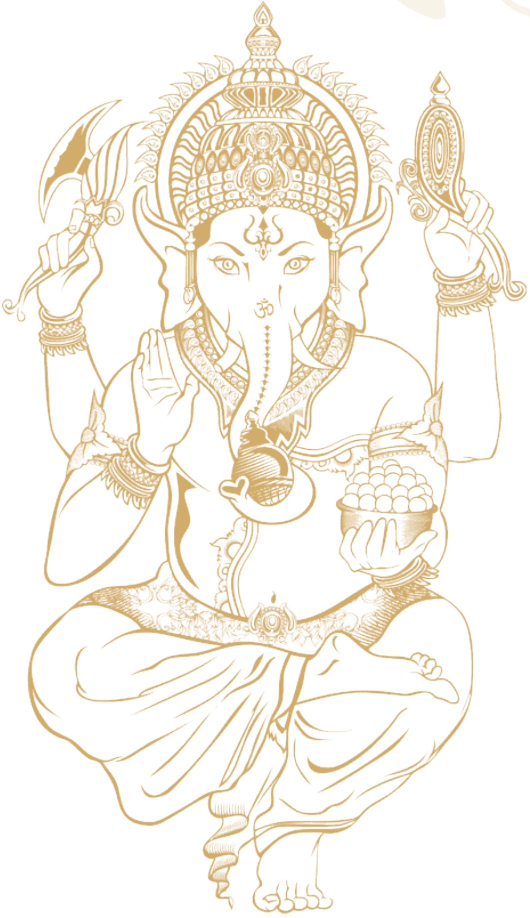

Mr.prem

30 Oct 1986

08:00 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119209403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/10/1986**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	03:18:35 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:25:08 घंटे
वेलान्तर	00:16:20 घंटे
साम्पातिक काल	09:57:37 घंटे
सूर्योदय	06:40:33 घंटे
सूर्यास्त	17:56:26 घंटे
दिनमान	11:15:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	12:42:00 तुला
लग्न के अंश	29:18:28 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

Krishna Astrosagy an Resarche center
5 Shanti Niketan colony Bedla badgaon likn Road

9571652706 9414829758
Jbhupendra@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	29:18:28	313:42:45	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	12:42:00	00:59:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कन्या	01:29:22	13:28:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	18:42:42	00:37:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	04:50:19	00:23:35	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	19:26:45	00:01:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
शुक्र	व	अ	तुला	22:41:33	00:31:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			वृश्चि	14:27:33	00:06:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	26:09:11	00:03:11	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	26:09:11	00:03:11	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	26:18:37	00:02:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	09:55:12	00:01:25	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:35:05	00:02:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			सिंह	03:31:31	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:16

लग्न-चलित

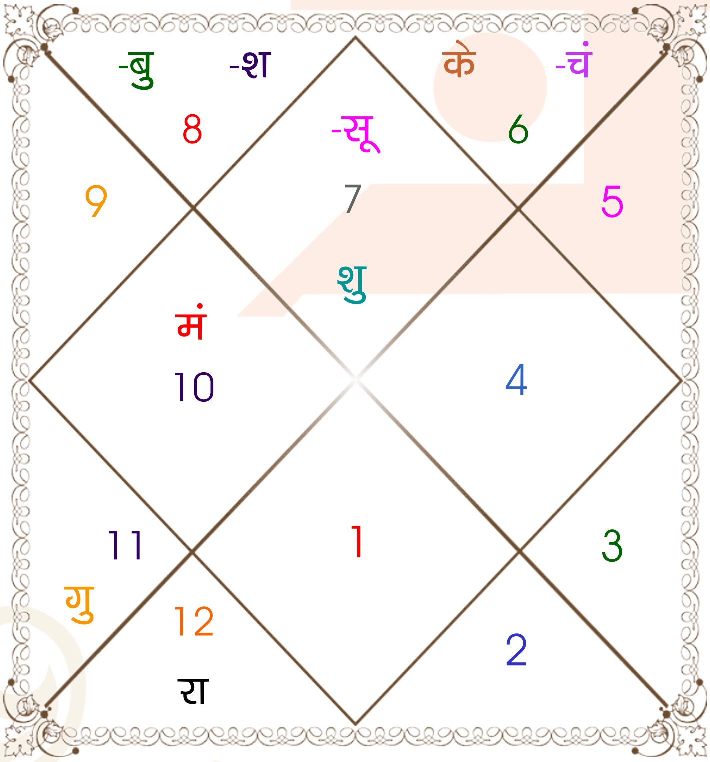

चन्द्र कुंडली

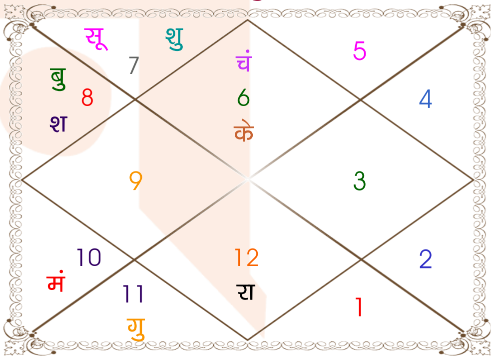

नवमांश कुंडली

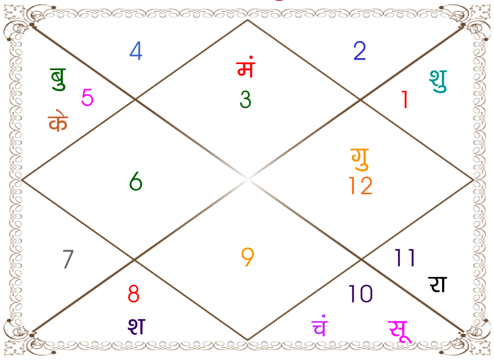

Krishna Astrosagy an Resarche center
5 Shanti Niketan colony Bedla badgaon likn Road

9571652706 9414829758
Jbhupendra@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/10/1986		29/08/1990		28/08/2000		29/08/2007		28/08/2025	
29/08/1990		28/08/2000		29/08/2007		28/08/2025		28/08/2041	
	00/00/0000	चंद्र	29/06/1991	मंगल	24/01/2001	राहु	11/05/2010	गुरु	17/10/2027
	00/00/0000	मंगल	28/01/1992	राहु	12/02/2002	गुरु	04/10/2012	शनि	29/04/2030
	00/00/0000	राहु	29/07/1993	गुरु	19/01/2003	शनि	11/08/2015	बुध	04/08/2032
	30/10/1986	गुरु	28/11/1994	शनि	28/02/2004	बुध	27/02/2018	केतु	11/07/2033
गुरु	05/07/1987	शनि	28/06/1996	बुध	24/02/2005	केतु	18/03/2019	शुक्र	11/03/2036
शनि	16/06/1988	बुध	28/11/1997	केतु	23/07/2005	शुक्र	17/03/2022	सूर्य	28/12/2036
बुध	23/04/1989	केतु	29/06/1998	शुक्र	22/09/2006	सूर्य	09/02/2023	चंद्र	29/04/2038
केतु	28/08/1989	शुक्र	28/02/2000	सूर्य	28/01/2007	चंद्र	10/08/2024	मंगल	05/04/2039
शुक्र	29/08/1990	सूर्य	28/08/2000	चंद्र	29/08/2007	मंगल	28/08/2025	राहु	28/08/2041

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/08/2041		28/08/2060		28/08/2077		28/08/2084		29/08/2104	
28/08/2060		28/08/2077		28/08/2084		29/08/2104		00/00/0000	
शनि	31/08/2044	बुध	25/01/2063	केतु	25/01/2078	शुक्र	29/12/2087	सूर्य	17/12/2104
बुध	11/05/2047	केतु	22/01/2064	शुक्र	27/03/2079	सूर्य	28/12/2088	चंद्र	17/06/2105
केतु	19/06/2048	शुक्र	22/11/2066	सूर्य	02/08/2079	चंद्र	29/08/2090	मंगल	23/10/2105
शुक्र	20/08/2051	सूर्य	28/09/2067	चंद्र	02/03/2080	मंगल	29/10/2091	राहु	17/09/2106
सूर्य	01/08/2052	चंद्र	27/02/2069	मंगल	29/07/2080	राहु	29/10/2094	गुरु	31/10/2106
चंद्र	02/03/2054	मंगल	24/02/2070	राहु	16/08/2081	गुरु	29/06/2097		00/00/0000
मंगल	11/04/2055	राहु	12/09/2072	गुरु	23/07/2082	शनि	29/08/2100		00/00/0000
राहु	15/02/2058	गुरु	19/12/2074	शनि	01/09/2083	बुध	30/06/2103		00/00/0000
गुरु	28/08/2060	शनि	28/08/2077	बुध	28/08/2084	केतु	29/08/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।